पढ़ो पंजाब पढ़ाओ पंजाब हिंदी टीम
पाठ्यक्रम 2021-22

नर्स (कला प्रकाश)

कक्षा-10

(I) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिए -

प्रश्न 1. महेश कितने साल का था ?

उत्तर - महेश छः साल का था ।

प्रश्न 2. महेश कहाँ दाखिल था ?

उत्तर- महेश अस्पताल में दाखिल था ।

प्रश्न 3. अस्पताल में मुलाकातियों के मिलने का समय क्या था ?

उत्तर- अस्पताल में मुलाकातियों के मिलने का समय शाम चार से छः बजे का था ।

प्रश्न 4. वार्ड में कुल कितने बच्चे थे ?

उत्तर- वार्ड में कुल बारह बच्चे थे ।

प्रश्न 5. सात बजे कौन सी दो नर्सें वार्ड में आईं ?

उत्तर- सात बजे मरींडा और मांजरेकर नाम की दो नर्सें वार्ड में आईं थीं ।

प्रश्न 6. महेश किस सिस्टर से घुल मिल गया था ?

उत्तर- महेश सिस्टर सूसान से घुल-मिल गया था ।

प्रश्न 7. महेश को अस्पताल से कितने दिन बाद छुट्टी मिली ?

उत्तर- महेश को तेरह दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिली ।

(II) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन – चार पंक्तियों में दीजिए -

प्रश्न 1.सरस्वती की परेशानी का क्या कारण था ?

उत्तर- सरस्वती का बेटा अस्पताल में दाखिल था। उसका ऑपरेशन हुआ था।सरस्वती उससे मिलने अस्पताल आई थी तो वह उससे लिपट कर रोने लगा।वह उसे वहाँ से जाने नहीं दे रहा था और उसकी कोई बात नहीं सुन रहा था। बेटे का इस प्रकार रोना सरस्वती की परेशानी का कारण था।

प्रश्न 2. सरस्वती ने नौ नंबर वाले बच्चे से क्या मदद मांगी ?

उत्तर-   सरस्वती को नौ नंबर बैड वाला बच्चा ज़्यादा समझदार लग रहा था। वह दस वर्ष का होगा। सरस्वती ने उसे पास बुला कर कहा कि वह उसके बेटे महेश को बातों में लगाए और उसे कोई कहानी आदि सुनाए ताकि वह वहाँ से बाहर जा सके। लड़के ने सरस्वती की बात मान ली और उसकी मदद को तैयार हो गया। वह महेश के पास जाकर बात करने लगा और इसी बीच सरस्वती वहाँ से बाहर आ गई ।

प्रश्न 3. सिस्टर सूसान ने महेश को अपने बेटे के बारे में क्या बताया ?

उत्तर- जब सिस्टर सूसान ने महेश को रोते देखा था तो उसने महेश को बताया कि उसका बेटा भी उसी की भाँति रोता है। वह बहुत शैतान है। उसका नाम भी महेश है। वह अभी तीन महीने का है।बिल्कुल छोटा सा है ।उसने महेश को यह भी बताया कि आया जब उससे खेलती या गाना गाती है तो वह खुशी से हाथ पैर ऊपर नीचे करने लगता है जैसे नाच रहा हो । महेश को पूछने पर वह उसे बताती है कि उसके बेटे को अभी बोलना नहीं आता इसलिए वह अभी अंगू-अंगू .....गूं-गूं ... बोलता है ।

प्रश्न 4. दूसरे दिन महेश ने माँ को घर जाने की इज़ाजत खुशी-खुशी कैसे दे दी ?

उत्तर- महेश ने अपनी माँ को घर जाने की इज़ाजत खुशी-खुशी दे दी थी क्योंकि सिस्टर सूसान के छोटे से बेटे की बातें सुनकर उसने अपनी माँ के बारे में सोचा था।उसे अपनी छोटी बहन मोना के रोने की चिंता थी जिसे मम्मी पास बाले राजू के घर छोड़ आई थी । वह नहीं चाहता था कि उसके रोने से माँ को किसी प्रकार की परेशानी हो।

प्रश्न 5. सरस्वती द्वारा सिस्टर सूसान को गुलदस्ता और उसके बबलू के लिए गिफ्ट पेश करने पर सिस्टर सूसान ने क्या कहा ?

उत्तर-   सरस्वती द्वारा सिस्टर सूसान को गुलदस्ता और उसके बबलू के लिए गिफ्ट देने पर सिस्टर सूसान ने रंग बिरंगे फूलों वाला गुलदस्ता तो ले लिया पर अपने बबलू के लिए गिफ्ट नहीं लिया।उसकी अभी न तो शादी हुई थी और न ही उसके कोई बच्चा था।उसने महेश को बहलाने के लिए झूठ कहा था कि उसका छोटा-सा बबलू है।

(III) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर छह-सात पंक्तियों में दीजिए-

प्रश्न 1. सिस्टर सूसान का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- सिस्टर सूसान 'नर्स' कहानी की दूसरी प्रमुख पात्रा है। आधी से ज़्यादा कहानी उसी के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक नर्स है। एक नर्स होने के सभी गुण उसमें विद्यमान हैं। वह अपना कार्य बहुत ही मेहनत तथा ईमानदारी से करती है। सूसान सरल हृदय वाली नारी है। उसका चरित्र ममतामयी नारी का चरित्र है। कहानीकार ने उसे सरल हृदया,कर्मठ तथा विवेकशील नारी के रूप में चित्रित किया है। उसके चरित्र में सहजता तथा स्वाभाविकता है। वह अस्पताल के बच्चों को एक माँ के समान प्यार करती है। उसमें स्थितियों को समझने और उसके अनुसार स्वयं को ढालने की शक्ति है। वह महेश को रोता देख उसकी पीड़ा को समझकर उसकी मनोव्यथा को दूर करती है। वह बाल मनोविज्ञान को समझती है। अतः सूसान सही अर्थों में एक ममतामयी, सेवाभाव से युक्त तथा ममत्व से परिपूर्ण नारी है। वह ईमानदार है। यदि ऐसा न होता तो महेश की माँ से उपहार भी ले सकती थी लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

प्रश्न 2. 'नर्स' कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर- कहानीकार का उद्देश्य उसकी रचना में ही समाहित है। उसने एक नर्स के सेवाभाव और ममत्व का गुणगान करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला है कि किस प्रकार नर्स सूसान बच्चों को चिकित्सा के अतिरिक्त अपनी ममता, स्नेह, दुलार, सौहार्द तथा भावों से भरी बातचीत से कैसे बच्चों का दिल जीत लेती है। उनका इलाज करती है।

माँ न होते हुए भी उन्हें माँ की कमी महसूस नहीं होने देती। कहानीकार ने एक बच्चे के मनोभावों तथा माँ के हृदय की पीड़ा को बड़े ही सशक्त शब्दों में प्रस्तुत किया है।

(ख) भाषा-बोध

निम्नलिखित पंजाबी गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

(1) ਅੱਠ ਵਜੇ ਸਿਸਟਰ ਸੁਸਾਨ ਦੇ ਵਾਰਡ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦੇ ਹੀ ਕਈ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਚਿਹਰੇ ਤੇ ਮੁਸਕਾਨ ਛਾ ਗਈ। ਇਕ ਤੋ ਨੋ ਨੰਬਰ ਵਾਲੇ ਬੱਚੇ ਤਾਂ ਉਸਦੇ ਸੁਆਗਤ ਲਈ ਬਿਸਤਰ ਤੋਂ ਉੱਠ ਕੇ ਬੈਠ ਗਏ। ਸਿਸਟਰ ਨੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲ ਹੱਥ ਹਿਲਾਇਆ।

उत्तर-आठ बजे सिस्टर सूसान के वार्ड में आते ही कई बच्चों के चेहरे पर मुस्कान छा गई। एक से नौ नंबर वाले बच्चे तो उसका स्वागत करने के लिए बिस्तर से उठकर बैठ गए। सिस्टर ने उनकी तरफ हाथ हिलाया।

(2) ਰੰਗ ਬਿਰੰਗੇ ਸੁੰਦਰ ਫੁੱਲਾਂ ਵਾਲਾ ਇਹ ਗੁਲਦਸਤਾ ਤਾਂ ਮੈਂ ਖੁਸ਼ੀ ਨਾਲ ਲੈ ਰਹੀ ਹਾਂ ਬਾਕੀ ਇਹ ਗਿਫਟ ਕਿਸੀ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਔਰਤ ਨੂੰ ਦੇ ਦੇਣਾ ਜਿਸਦਾ ਕੋਈ ਬਬਲੂ ਹੋਏ। ਮੇਰਾ ਤਾਂ ਕੋਈ ਬਬਲੂ ਹੈ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਮੈਂ ਤਾਂ ਹਾਲੇ ਤਕ ਸ਼ਾਦੀ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਹੈ।

उत्तर – रंग बिरंगे सुंदर फूलों वाला यह गुलदस्ता तो मैं खुशी से ले रही हूँ। शेष यह गिफ़्ट किसी ऐसी औरत को देना जिसका कोई बबलू हो। मेरा तो कोई बबलू है ही नहीं। मैंने तो अभी तक शादी ही नहीं की है ।

प्रस्तुतकर्ता:
किरण
हिंदी शिक्षिका
स.मि.स्कूल भूमाल(लुधियाना)

शोधक
विनोद कुमार
डी.एम.हिंदी
लुधियाना

संयोजक
चन्द्र शेखर
डी.एम.हिंदी
रूपनगर